

अश्रौत वि. (तत्.) जो श्रुति या वेद सम्मत न हो।

अश्लाघ्य वि. (तत्.) 1. जो श्लाघा या प्रशंसा के योग्य न हो, अप्रशंसनीय, जो सराहनीय न हो 2. निंद्य 3. निम्न।

अश्लिष्ट वि. (तत्.) 1. श्लेष रहित, वियोजित जो सहयोजित या संयुक्त न हो 2. जिसका दूसरा अर्थ न हो 2. असंबद्ध 3. असंगत।

अश्लील वि. (तत्.) 1. भद्दा 2. अशिष्ट 3. ग्राम्य 4. शिष्टाचार के विरुद्ध, कामुकता का व्यर्थ प्रदर्शन करने वाली बात।

अश्लीलता स्त्री. (तत्.) 1. निर्लज्जता, फूहड़पन कामुकता 2. भद्दापन, ग्राम्यता 3. गंदापन 4. एक काव्यदोष जिसमें फूहड़ कामुकतावाची शब्दों का प्रयोग होता है।

अश्लेष वि. (तत्.) 1. श्लेषरहित 2. एकनिष्ठ पु. वियोग, अनैक्य विलो. श्लेष।

अश्लेषा पुं. (तत्.) 27 नक्षत्रों में पुष्य और मघा के बीच का (नवाँ) नक्षत्र।

अश्व पुं. (तत्.) घोड़ा।

अश्वक पुं. (तत्.) 1. छोटा घोड़ा 2. खराब जाति का घोड़ा।

अश्वकिनी स्त्री. (तत्.) अश्विनी नक्षत्र।

अश्वगंधा स्त्री. (तत्.) असगंध नामक औषधीय वनस्पति, असगंध।

अश्वगति स्त्री. (तत्.) घोड़े की चाल, काव्य. ऐसा चित्रकाव्य जिसमें पद्य के विशिष्ट पद्धति से लिखने पर घोड़े की-सी आकृति बन जाती है छंद. 1. 'नील' नामक समवर्णिक छंद 2. 'तीव्र' नामक समवर्णिक छंद।

अश्वतर पुं. (तत्.) खच्चर।

अश्वत्थ पुं. (तत्.) 1. पीपल 2. पीपल का गोदा 3. पीपल में फल आने का काल 4. अश्विनी

नक्षत्र 5. सूर्य का एक नाम 6. नव लेखन में प्रयुक्त एक व्यंग्यात्मक प्रतीक जो दुनिया को ऊल-जलूल बताने के लिए प्रयुक्त होता है।

अश्वत्था स्त्री. (तत्.) आश्विन मास की पूर्णिमा।

अश्वत्थामा पुं. (तत्.) 1. द्रोणाचार्य का पुत्र, महाभारत के कौरव पक्ष का महारथी 2. मालवा के राजा इंद्रवर्मा के एक हाथी का नाम जो महाभारत के युद्ध में मारा गया।

अश्वपति पुं. (तत्.) 1. घुड़सवार 2 घोड़े का मालिक 3. अश्वसेना का नायक।

अश्वपाल पुं. (तत्.) घोड़े की देखभाल करने वाला, साईस, अश्वपालक, अश्वबंध।

अश्वमुख वि. (तत्.) 1. घोड़े के समान मुख वाला 2. किन्नर।

अश्वमेध पुं. (तत्.) एक विशेष वैदिक यज्ञ जिसमें घोड़े के सिर पर विजय घोषणा पत्र बांध कर उसे चारों ओर घुमाने के लिए छोड़ दिया जाता था, और यदि कोई उसे पकड़ लेता था तो उसे पराजित कर घोड़ा छुड़ा लिया जाता था, घोड़े के सुरक्षित वापस आने पर ही यज्ञ पूर्ण माना जाता था, यह चक्रवर्ती सम्राट होने का लक्षण माना जाता था 2. संगीत की एक तान जिसमें षडज (सा) स्वर नहीं लगता।

अश्वमेधिक वि. (तत्.) अश्वमेध से संबंध रखने वाला पुं. अश्वमेध के योग्य घोड़ा 2. महाभारत का चौदहवाँ पर्व।

अश्ववा पुं. (तत्.) दे. अश्ववार।

अश्ववार पुं. (तत्.) 1. अश्वारोही, घुड़सवार 2. साईस।

अश्ववाहिनी स्त्री. (तत्.) घुड़सवार होना।

अश्वविद् वि. (तत्.) 1. घोड़े के लक्षणों, रोगों आदि की जानकारी रखने वाला 2. घोड़ों को प्रशिक्षण देने वाला।

अश्वशक्ति स्त्री. (तत्.) ऊर्जा का प्रति फुट पाउंड-सेकंड विधि पर आधारित मात्रक जो